

कॉस्मिक नानी

कुंडली मिलान

नानी की लिखी रीडिंग

Arjun Mehta और Nisha Rao

वर: जन्म: 18 नवंबर 1993 · 9:10 PM · मुंबई, महाराष्ट्र

वधू: जन्म: 7 अप्रैल 1995 · 9:35 AM · पुणे, महाराष्ट्र

नमूना रिपोर्ट · काल्पनिक जोड़ा

cosmicnani.com

विषय-सूची

36 गुण, एक नज़र में	3
दोनों कुंडलियाँ	4
आठ कूट	6
दोनों का मांगलिक	8
नानी का सार	9
आपके ज्योतिषी के लिए	10
इस रिपोर्ट के बारे में	12

36 गुण, एक नज़र में

22.5 36 में से

परंपरा में 18 से 24 को चलने लायक कहते हैं।

कूट	अंक	कुल
वर्ण	1	1
वश्य	1	2
तारा	1.5	3
योनि	1	4
ग्रह मैत्री	4	5
गण	6	6
भकूट	0	7
नाड़ी	8	8

दोनों कुंडलियाँ

वर: Arjun Mehta

जन्म: 18 नवंबर 1993 · 9:10 PM · मुंबई, महाराष्ट्र

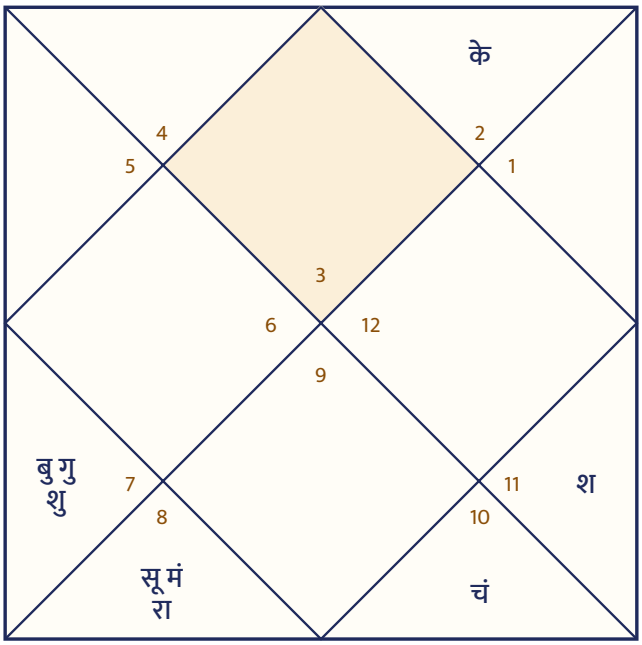

जन्म कुंडली (D1), उत्तर भारतीय ढंग से। ऊपर का हीरा लग्न है; बाकी घर उल्टी घड़ी की दिशा में चलते हैं। छोटे अंक राशियाँ हैं (1 मेष है)।

लग्न
मिथुन

राशि
मकर

नक्षत्र
उत्तराषाढ़ा
चरण 3

अर्जुन मेहता का लग्न मिथुन है। लग्न वह राशि है जो जन्म के समय पूर्व दिशा में उदित हो रही थी, और इसी से कुंडली की शुरुआत मानी जाती है। मिथुन लग्न के बारे में कहा जाता है कि वे बातचीत में अच्छे होते हैं और कोई भी नई बात जल्दी सीख लेते हैं।

उनकी चंद्र राशि मकर है। राशि आकाश का वह बारह भागों वाला घेरा है, जिसमें जन्म के समय चंद्रमा था। चंद्रमा मन को दर्शाता है, इसलिए मकर चंद्रमा वाला मन ज़िम्मेदार माना जाता है। वे अपने काम और जिम्मेदारियों को गंभीरता से लेते हैं, और उनका ध्यान अपना कर्तव्य निभाने पर रहता है।

वधू: Nisha Rao

जन्म: 7 अप्रैल 1995 · 9:35 AM · पुणे, महाराष्ट्र

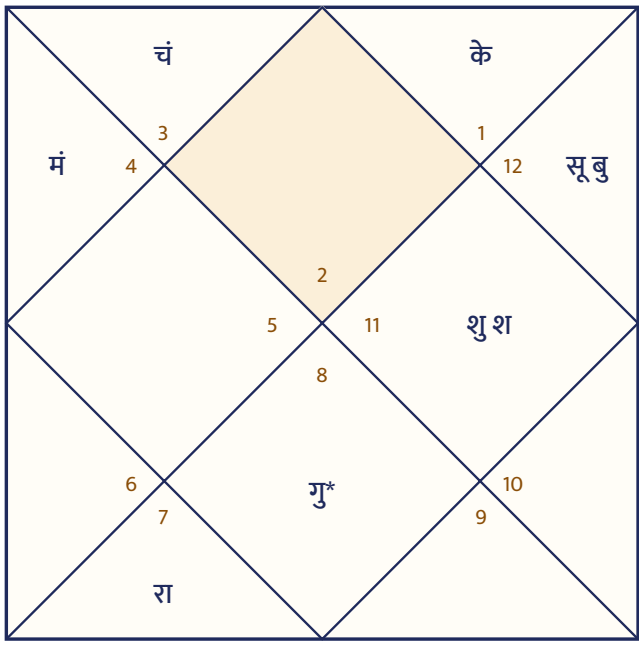

जन्म कुंडली (D1), उत्तर भारतीय ढंग से। ऊपर का हीरा लग्न है; बाकी घर उल्टी घड़ी की दिशा में चलते हैं। छोटे अंक राशियाँ हैं (1 मेष है)। * उल्टी चाल (वक्री)

लग्न
वृषभ

राशि
मिथुन

नक्षत्र
आर्द्रा
चरण 2

निशा राव की कुंडली में वृषभ लग्न है। लग्न यानी जन्म के समय पूर्व में उदित होती राशि। इसी लग्न से उनका स्वभाव धैर्यवान, भरोसेमंद और आराम पसंद दिखता है। बाहर से यही पहलू सबसे पहले नज़र आता है।

उनकी राशि मिथुन है, यानी जन्म के समय चंद्रमा मिथुन में था। चंद्रमा मन को बताता है, और उनका मन जिज्ञासु है, जो हर बात को समझना और जानना चाहता है। नई बातें सीखना और समझना उनके मन को भाता है।

चंद्रमा आर्द्रा नक्षत्र के दूसरे चरण में है। नक्षत्र यानी आकाश का वह हिस्सा जहाँ जन्म के समय चंद्रमा था। यह नक्षत्र उनके मन की इसी जिज्ञासा के साथ जुड़ा हुआ दिखता है।

उनका चंद्र नक्षत्र उत्तराषाढ़ा है, और वे उसके तीसरे चरण में हैं। नक्षत्र आकाश का वह हिस्सा है जहाँ जन्म के समय चंद्रमा था। चरण उस नक्षत्र का एक छोटा भाग है।

मैं कहूँगी कि निशा के व्यक्तित्व में धैर्य और जिज्ञासा साथ-साथ चलते हैं। वे धीरज से काम करती हैं और साथ ही हर विषय में आगे की बात जानना चाहती हैं।

आठ कूट

वर्ण · 1 में से 1

वर्ण कूट में स्वभाव और काम करने के ढंग को देखा जाता है। यह चंद्र राशियों से तय होता है, यानी जन्म के समय चंद्रमा किस राशि में था। अर्जुन मेहता के चंद्रमा की राशि मकर है और निशा राव के चंद्रमा की राशि मिथुन है। इस कूट में एक अंक तब मिलता है जब वर का ढंग वधू के ढंग के बराबर या उससे ऊँचा हो, और यहाँ यही स्थिति है। इसलिए अंक 1 में से 1 है। 36 गुणों में यह कूट सबसे कम भार वाला माना जाता है।

वश्य · 2 में से 1

वश्य अष्टकूट का दूसरा कूट है। इसमें दोनों के बीच आपसी खिंचाव और लेन-देन को देखा जाता है। यह अंक दोनों चंद्र राशियों के समूहों से पढ़ा जाता है, यानी हर राशि को एक समूह में रखकर। अर्जुन मेहता की चंद्र राशि मकर चतुष्पद समूह में आती है, यानी चार पैरों वाले जीवों के समूह में। निशा राव की चंद्र राशि मिथुन मानव समूह में आती है। वश्य के अधिकतम अंक 2 हैं, और इस जोड़े का अंक 2 में से 1 है।

तारा · 3 में से 1.5

तारा कूट में नौ तारों की गिनती दोनों ओर से की जाती है। नक्षत्र यानी आकाश का वह हिस्सा जहाँ जन्म के समय चंद्रमा था, उसी से यह गिनती होती है। अर्जुन के उत्तराषाढ़ा नक्षत्र से गिनने पर 1.5 में से 1.5 आता है। निशा के आर्द्रा नक्षत्र से गिनने पर 1.5 में से 0 आता है। इस कूट का कुल स्कोर 3 में से 1.5 है। इसमें देखा जाता है कि दोनों रोज़मर्रा की ज़िंदगी में एक-दूसरे की भलाई का ख़याल कैसे रखते हैं।

योनि · 4 में से 1

योनि कूट में हर नक्षत्र के साथ एक जानवर जुड़ा माना जाता है, जो परंपरा से चला आ रहा है। नक्षत्र यानी आकाश का वह हिस्सा जहाँ जन्म के समय चंद्रमा था। अर्जुन के उत्तराषाढ़ा नक्षत्र का जानवर नेवला है, और निशा के आर्द्रा नक्षत्र का जानवर कुत्ता है। इस कूट का स्कोर 4 में से 1 है। इसमें देखा जाता है कि दोनों एक-दूसरे के साथ कितने सहज रहते हैं और कितने करीब महसूस करते हैं।

ग्रह मैत्री · 5 में से 4

ग्रह मैत्री कूट में दोनों की चंद्र राशि के स्वामी ग्रहों की आपसी दोस्ती देखी जाती है। पारंपरिक रूप से इससे दोनों के मन के मिलने को देखा जाता है। प्राकृतिक मैत्री, यानी ग्रहों के बीच स्वाभाविक रूप से तय दोस्ती या तटस्थता, इसका आधार है। वर की चंद्र राशि मकर है, और इसके स्वामी शनि हैं। वधू की चंद्र राशि मिथुन है, और इसके स्वामी बुध हैं। प्राकृतिक मैत्री के अनुसार शनि, बुध को मित्र मानते हैं। बुध, शनि को तटस्थ मानते हैं। इस कूट का अंक 5 में से 4 है।

गण · 6 में से 6

गण कूट में नक्षत्र से तय होने वाला स्वभाव का समूह देखा जाता है। नक्षत्र का मतलब है आकाश का वह हिस्सा जहाँ जन्म के समय चंद्रमा था। गण तीन होते हैं: देव, मनुष्य और राक्षस। पारंपरिक रूप से इससे स्वभाव और मन के ढंग को देखा जाता है। वर का चंद्र नक्षत्र उत्तराषाढ़ा है, जो मनुष्य गण में आता है। वधू का चंद्र नक्षत्र आर्द्रा है, जो भी मनुष्य गण में आता है। दोनों का गण एक ही है। इस कूट का अंक 6 में से 6 है।

भकूट · 7 में से 0

भकूट (दो चंद्र राशियों के बीच की दूरी वाला एक कूट) दोनों की चंद्र राशियों का फ़ासला देखता है। चंद्र राशि (जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि में था) अर्जुन की मकर है और निशा की मिथुन। वर की राशि को एक गिनने पर वधू की राशि छठी आती है, और वधू की राशि को एक गिनने पर वर की राशि आठवीं। परंपरा में यह कूट परिवार के जीवन और साथ चलने की दिशा को देखता है। इस कूट के अंक 7 में से 0 हैं। कुछ पुराने ग्रंथ इस शून्य को नरम मानते हैं, अगर दोनों चंद्र राशियों के स्वामी (राशि का ग्रह) एक हों या आपस में मित्र हों। यहाँ दोनों चंद्र राशियाँ एक राशि में नहीं हैं, और दोनों के नक्षत्र भी एक नहीं हैं। राशि-स्वामी शनि और बुध एक नहीं हैं, और आपस में मित्र भी नहीं हैं। यह अंक इन छूटों पर लागू नहीं होता।

नाड़ी · 8 में से 8

नाड़ी (शरीर की बनावट के हिसाब से नक्षत्रों का एक पुराना वर्गीकरण) तीन होती हैं: आदि, मध्य और अंत्य। यह कूट देखता है कि दोनों की नाड़ी अलग है या नहीं। अर्जुन का चंद्र नक्षत्र (आकाश का वह हिस्सा जहाँ जन्म के समय चंद्रमा था) उत्तराषाढ़ा है, जो अंत्य नाड़ी में आता है। निशा का चंद्र नक्षत्र आर्द्रा है, जो आदि नाड़ी में आता है। दोनों की नाड़ी अलग है, इसलिए इस कूट के अंक 8 में से 8 हैं। यह आठों कूटों में सबसे ज़्यादा अंक वाला कूट है, यानी 8 अंक। इसका वज़न बाकी सभी कूटों से ज़्यादा है।

दोनों का मांगलिक

मांगलिक वह स्थिति है जब मंगल लग्न, चंद्रमा या शुक्र में से किसी एक से पहले, दूसरे, चौथे, सातवें, आठवें या बारहवें घर में हों।

अर्जुन मेहता की कुंडली में मंगल लग्न से छठे घर में, चंद्रमा से ग्यारहवें घर में और शुक्र से दूसरे घर में हैं। मंगल अपनी ही राशि वृश्चिक में बैठे हैं, और इसी से अर्जुन की मांगलिक स्थिति रद्द हो जाती है।

निशा राव की कुंडली में मंगल लग्न से तीसरे घर में, चंद्रमा से दूसरे घर में और शुक्र से छठे घर में हैं। चंद्रमा से दूसरे घर में होने की वजह से निशा की कुंडली मांगलिक है। ये स्थितियाँ जन्म के समय की हैं।

इस तरह दोनों कुंडलियाँ एक ही स्थिति में नहीं हैं। अर्जुन की मांगलिक स्थिति रद्द है, जबकि निशा की कुंडली मांगलिक है।

नानी का सार

अर्जुन मेहता और निशा राव के मिलान में अष्टकूट के कुल 36 गुणों में से 22.5 गुण बने हैं। तीन कूटों में पूरे अंक मिले हैं। वर्ण कूट में 1 में से 1 है। यह चंद्र राशि से देखा जाता है कि स्वभाव और काम करने का ढंग कैसा है। गण कूट में 6 में से 6 है। यह नक्षत्र से तय होने वाले स्वभाव के समूह को देखता है, यानी देव, मनुष्य या राक्षस। दोनों का गण मनुष्य है। नाड़ी कूट में 8 में से 8 है। यह नक्षत्र से तय होने वाला पुराना समूह है, जो शरीर की बनावट से जुड़ा माना जाता है। अर्जुन की नाड़ी अंत्य है और निशा की आदि है। एक कूट पूरी तरह शून्य पर है। भकूट में 7 में से 0 है। यह कूट दोनों चंद्र राशियों के बीच की दूरी को देखता है। अर्जुन की चंद्र राशि मकर है और निशा की मिथुन। इसी दूरी से यह अंक तय हुआ है। बाकी कूटों में वश्य 2 में से 1, तारा 3 में से 1.5, योनि 4 में से 1 और ग्रह मैत्री 5 में से 4 मिला है।

नानी

आपके ज्योतिषी के लिए

ये तालिकाएँ पंडित जी या कुंडली पढ़ने वाले किसी के लिए हैं। समय भारतीय मानक समय में है।

अष्टकूट, हर कूट

कूट	अंक	कुल	कैसे गिना गया
वर्ण	1	1	–
वश्य	1	2	वर: चतुष्पद · वधू: मानव
तारा	1.5	3	वर → वधू: 1.5 · वधू → वर: 0
योनि	1	4	वर: नेवला · वधू: कुत्ता
ग्रह मैत्री	4	5	शनि · बुध
गण	6	6	वर: मनुष्य · वधू: मनुष्य
भकूट	0	7	6 / 8
नाड़ी	8	8	वर: अंत्य · वधू: आदि

वर: Arjun Mehta

ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	चरण	नक्षत्र स्वामी	घर	किन घरों का स्वामी	ग्रह की हालत	गति	नवांश
लग्न	मिथुन	19°03′	आर्द्रा	4	राहु	1	–	–	–	मीन
सूर्य	वृश्चिक	2°33′	विशाखा	4	गुरु	6	3	मित्र राशि	मार्गी	कर्क
चंद्र	मकर	4°21′	उत्तराषाढ़ा	3	सूर्य	8	2	सम राशि	मार्गी	कुंभ
मंगल	वृश्चिक	13°01′	अनुराधा	3	शनि	6	6, 11	स्वराशि	मार्गी	तुला
बुध	तुला	13°46′	स्वाति	3	राहु	5	1, 4	मित्र राशि	मार्गी	कुंभ
गुरु	तुला	7°58′	स्वाति	1	राहु	5	7, 10	शत्रु राशि	मार्गी	धनु
शुक्र	तुला	18°13′	स्वाति	4	राहु	5	5, 12	स्वराशि	मार्गी	मीन
शनि	कुंभ	0°15′	धनिष्ठा	3	मंगल	9	8, 9	स्वराशि	मार्गी	तुला
राहु	वृश्चिक	9°37′	अनुराधा	2	शनि	6	–	–	वक्री	कन्या
केतु	वृषभ	9°37′	कृत्तिका	4	सूर्य	12	–	–	वक्री	मीन

अयनांश: लाहिड़ी, जन्म के समय 23°46′। घर: पूरी राशि। राहु-केतु: मध्यम। दशा का साल: 365.25 दिन।

वधू: Nisha Rao

ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	चरण	नक्षत्र स्वामी	घर	किन घरों का स्वामी	ग्रह की हालत	गति	नवांश
लग्न	वृषभ	15°41′	रोहिणी	2	चंद्र	1	–	–	–	वृषभ
सूर्य	मीन	23°05′	रेवती	2	बुध	11	4	मित्र राशि	मार्गी	मकर
चंद्र	मिथुन	11°22′	आर्द्रा	2	राहु	2	3	मित्र राशि	मार्गी	मकर
मंगल	कर्क	20°25′	आश्लेषा	2	बुध	3	7, 12	कमज़ोर राशि (नीच)	मार्गी	मकर
बुध	मीन	15°24′	उत्तरा भाद्रपद	4	शनि	11	2, 5	कमज़ोर राशि (नीच)	मार्गी	वृश्चिक
गुरु	वृश्चिक	21°32′	ज्येष्ठा	2	बुध	7	8, 11	मित्र राशि	वक्री	मकर
शुक्र	कुंभ	18°09′	शतभिषा	4	राहु	10	1, 6	मित्र राशि	मार्गी	मीन
शनि	कुंभ	25°04′	पूर्वा भाद्रपद	2	गुरु	10	9, 10	स्वराशि	मार्गी	वृषभ
राहु	तुला	12°53′	स्वाति	2	राहु	6	–	–	वक्री	मकर
केतु	मेष	12°53′	अश्विनी	4	केतु	12	–	–	वक्री	कर्क

अयनांश: लाहिड़ी, जन्म के समय 23°47′। घर: पूरी राशि। राहु-केतु: मध्यम। दशा का साल: 365.25 दिन।

इस रिपोर्ट के बारे में

यह एक नमूना है। इसमें जोड़ा काल्पनिक है, और जन्म का विवरण भी।

कॉस्मिक नानी (cosmicnani.com) ने बनाई। कुंडली सॉफ़्टवेयर ने गिनी है: निरयण राशिचक्र, लाहिड़ी अयनांश, पूरी राशि वाले घर, विंशोत्तरी दशा और मध्यम राहु-केतु।

नानी एक AI किरदार हैं। लेख AI (Anthropic का Claude) ने इसी गणना से लिखा है।

6 नवंबर 2026 को बनाया गया नमूना।

विक्रेता

विक्रेता: ResumeGuru India (प्रोप्राइटर रोहित गोयल), Basement, Plot No. 323, Phase 2, Panchkula Industrial Area, Panchkula, Haryana 134113। GSTIN 06DLSPG2024N1ZU।

सहायता और शिकायत: resumeguru24@gmail.com, +91 82830 74770। शिकायत अधिकारी: रोहित गोयल, प्रोप्राइटर।